

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 28 जुलाई, 1986

सं० ओ०वि०/पानी/69-86/26742.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. रम्बा सहकारी एवं कृष सेवा समिति लि०, रम्बा (करनाल) के श्रमिक श्री सतपाल शर्मा, पुत्र श्री राम किशन, गांव ब डा० उण्डला (करनाल) तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, अम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री सतपाल शर्मा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

आर० एस० अग्रवाल,
उप सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम विभाग ।

दिनांक 29 जुलाई, 1986

सं० ओ० वि०/सोनीपत/37-86/26797.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० एस० को इण्डस्ट्रीयल कारपोरेशन, सोनीपत, के श्रमिक श्री जगपाल, मकान नं० 405, मौहल्ला कटवाडा, सोनीपत, तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई, शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री जगपाल सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

जे० पी० रतन,
उप सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम विभाग ।

LABOUR DEPARTMENT

The 3rd June, 1986

No. 9 (1)85-6Lab.—Whereas the Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hissar has requested for the grant of exemption from all provisions of the Factories Act, 1948.

And whereas the Governor of Haryana is satisfied that the provisions of the scheme submitted by a person having control on the Haryana Veterinary Institute, Hissar, for regulation of hours of employment, intervals for meals and holidays of the persons employed in or attending the said institution or who are inmates thereof, are not less favourable than the corresponding provisions of the aforesaid Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 86 of the Factories Act, 1948, the Governor of Haryana, is pleased to exempt the Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hissar, from the provisions of all the sections except sections 6 and 7 of the said Act, for period of five years from 1st January, 1981 to 31st December, 1985.

KULWANT SINGH,

Secretary to Government, Haryana,
Labour and Employment Department.

श्रम विभाग

दिनांक 3 जून, 1986

क्रमांक 9(1) 85-6 श्रम.— जैसे कि हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्था, हिसार ने कारखाना अधिनियम, 1948 की सभी धाराओं से छूट के लिए प्रार्थना की है।

और जैसा कि हरियाणा के राज्यपाल संतुष्ट हैं कि हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्था, हिसार के प्रबन्धकों द्वारा इस संस्था में कार्य कर रहे व्यक्तियों के लिए उनके कार्यों के घंटे, खाने के लिए मध्याह्न, अवकाश तथा छुट्टियों के लिए जो योजना बना कर प्रस्तुत की गई है में जो सुविधाएं हैं वह उन सुविधाएं से कम नहीं है जो कि उक्त अधिनियम की धाराओं के अन्तर्गत दी गई है।

अब इसलिए, हरियाणा के राज्यपाल अपनी शक्तियों जो कि उन्हें कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 86 के अन्तर्गत दी गई हैं के अनुसार हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्था, हिसार को उक्त अधिनियम की सभी धाराओं से धारा 6 व 7 के सिवाए 5 साल के लिए 1 जनवरी, 1981 से 31 दिसम्बर, 1985 तक छूट प्रदान करते हैं।

कुलवन्त सिंह,

सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम तथा रोजगार विभाग।

PUBLIC WORKS DEPARTMENT
BUILDINGS AND ROADS BRANCH
AMBALA CIRCLE

The 16th July, 1986

No. SE/PWD/B&R/Ambala/1462.—Whereas it appears to the Governor of Haryana that land is likely to be required to be taken by the Government, at the public expenses, for a public purpose, namely, for construction of link road Bari Pabni Sarwana road to village Maheshwari in Ambala District, it is hereby notified that the land in the locality described below is likely to be required for the above purpose.

This notification is made under the provision of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor of Haryana is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section.

Any person interested who has any objection to the acquisition of any land in the locality, may within thirty days of the publication of this notification, file an objection in writing before the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Ambala.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in Acres	Rectangle/Kila No.
1	2	3	4	5	6
Ambala	Jagadhri	Maheshwari	339	2.49	5
				4 4 5 5 8 8 9 9 11 11 3 1 2 1 2 1 2 1 2 10 1 2 1	
				5	6
				12, 20, 21	15 15 1 2 16, 25

District	Tehsil	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in Acres	Rectangle/Kila No.
1	2	3	4	5	6
Ambala	Jagadhri	Maheshwari-concld		7	8
				5 5 1 2	1, 10, 11, 6, 15, 16, 25
				8	14
				20 20 1 2	1, 10, 11, 20 20 1 2
				14 15	18
				21 25 2	7 7 1 2
				5, 15, 16, —, 6,	5, 6, —, —
				18	19
				14 14 1 2	1
				40, 41, 45, 43, 33, 37, 55,	

(Sd.) . . .

Superintending Engineer,
Ambala Circle, P.W.D., B&R Branch,
Ambala Cantt.

लोक निर्माण विभाग

भवन एवं सड़क शाखा

अम्बाला वृत्त

दिनांक 16 जुलाई, 1986

नं० एस० सो०/लो० नि० वि० भ० एवं स०/अम्बाला/1462.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल को प्रतीत होता है कि सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ जिला अम्बाला में बड़ी पावनी सरावां रोड से गांव महेश्वरी तक सड़क का निर्माण हेतु भूमि ली जानी अपेक्षित है। अतः यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित परिसर में उपरोक्त प्रयोजनार्थ भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

यह अधिसूचना भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अधीन उन सभी व्यक्तियों को जारी की जाती है जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं।

पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस समय इस कार्य में लगे हुए अधिकारियों को अपने कर्मचारियों व कर्मचारों सहित उक्त परिसर में किसी भी भूमि में प्रवेश करके निरीक्षण व उपरोक्त धारा द्वारा उपेक्षित या अनुज्ञात सभी काम करने के लिए सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।

कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उपरोक्त परिक्षेत्र में किसी भूमि अर्जन करने पर कोई आक्षेप हो, इस अधिसूचना के प्रकाशन से तीस दिनों के भीतर में अपनी आक्षेप लिखित रूप से जिला राजस्व अधिकारी तथा भूमि अर्जन समाहर्ता, अम्बाला के समक्ष दायर कर सकता है।

विशिष्टियां

जिला	तहसील	परिक्षेत्र/ गांव	हदबस्त नं०	क्षेत्रफल (एकड़ों में)	रेक्टेंगल नं०/कीला नं०
अम्बाला	जगाधरी	महेश्वरी	339	2.49	<div>5</div> <div>4 4 5 5 8 8 9 9</div> <div>—, —, —, —, —, —, —, —, 10</div> <div>1 2 1 2 1 2 1 2</div> <div>5</div> <div>11 11 3</div> <div>—, —, —, 12, 20, 21</div> <div>1 2 1</div> <div>6 7</div> <div>15 15 5 5</div> <div>—, —, 16, 25 —, —, 6, 15, 16, 25</div> <div>1 2 1 2</div> <div>8</div> <div>20 20</div> <div>1, 10, 11, —, —, 21</div> <div>1 2</div> <div>14</div> <div>20 20</div> <div>1, 10, 11, —, —, 21</div> <div>1 2</div> <div>15 18</div> <div>25 14 14</div> <div>5, 15, 16, —, 6, 5, 6, 7, 7—, —</div> <div>2 1 2</div> <div>19</div> <div>—, 40, 41, 45, 43, 33, 37, 55</div> <div>1</div>

देशबन्धु,

अधीक्षक अभियन्ता,
अम्बाला परिमण्डल, लो. नि. वि.,
भवन तथा मार्ग शाखा, अम्बाला छावनी।